Roll No. ....

Total No. of Questions : 6] [Total No. of Printed Pages : 4

(1048)

UG (CBCS) RUSA VIth Semester Examination

947

SANSKRIT

(Sahitya Nibandh Tatha Vyakaran)

(Major)

Paper : BASKT-0613

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : 70

नोट :– सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के सभी भाग एक साथ एक ही स्थान पर लिखिए।

भाग-क

1. अधोलिखितानां प्रश्नानां उत्तरं एकपदेन लिखतः

(क) दशकुमारचरितस्य पूर्वपीठिकायां कति निश्वासाः सन्तिः ?

(ख) दशकुमारचिरतं कस्य कृतिरस्ति ?

(ग) सुश्रुतः कस्य मन्त्रिणः पुत्रः आसीत् ?

(घ) मालेश्वरस्य किं नाम आसीत् ?

(ङ) लौकिकसंस्कृतस्य आदिकविः कः मन्यते ?

(च) महाभारतस्य विकासस्य कति अवस्था मन्यन्ते ?

(छ) श्रीमद्भगवद्गीता महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि वर्णिता ?

(ज) राजहंसस्य पत्न्याः किं नाम ?

(झ) विद्धातोः लृट्लकारे प्रथम पुरुषस्यैक वचने रूपं लिखत।

(ञ) कर्मसंज्ञा विधायकं सूत्रं लिखत। 10×1=10

2. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप (**25–30** शब्द) में उत्तर लिखिए–

(क) 'कर्मणिद्वितीया' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

(ख) "संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्" विषय पर निबन्ध लिखिए।

(ग) महाभारत में कुल कितने पर्व हैं ? सभी पर्वों के नाम लिखिए।

(घ) उपहार वर्मा की उत्पत्ति कथा का वर्णन कीजिए।

(ङ) आस् धातु के लट्लकार में सभी रूप लिखिए। 5×4=20

भाग-ख

3. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए–

(क) रामायण की कथा-वस्तु का विस्तृत निरूपण कीजिए।

अथवा

(ख) महाभारत के क्रमिक विकास का विश्लेषण कीजिए। 10

(ख) 'विद्या सर्वत्र पूज्यते' विषय पर विस्तृत निबन्ध लिखिए। 10

भाग-घ

5. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(क) निम्नलिखित गद्यांश को सरलार्थ कीजिए–

तस्मिन्नेव क्षणे वन्यो वारणः कश्चिददृश्यत। तं विलोक्य भता सा बालकं निपात्य प्राद्रवत्। अहं समीप लतागुल्मके परीक्षमाणोऽतिष्ठम्। निपतितं बालकं पल्लव कवलमिवाददति गजपतौ कण्ठीरवो भीमरवो महाग्रहेण न्यपतत्। भयाकुलेन दन्तावलेन झटिति वियति समुत्पात्य मानो बालको न्यपतत्।

(ख) पुष्पोद्भव का चरित्र संक्षेप में लिखिए।

अथवा

(ग) निम्नलिखित गद्यांश का सरलार्थ कीजिए :

देव सकलस्य भूपालकुलस्य मध्ये तेजो वरिष्ठो गरिष्ठो भवानद्य विन्ध्यवनमध्यं निवसतीति जलबुद्‌बुद् समाना विराजमाना संपन्तऽिल्लतेव सहसैवोदेति नश्यति च। तन्निखिलं दैवायत्तमेवावधार्य कार्यम्। किञ्च पुरा हरिश्चन्द्ररामचन्द्र-मुख्या असंख्या महीन्द्रा ऐश्वर्योपमित महेन्द्रा दैवतन्त्रं दुःखयन्त्रं सम्यगनुभूय पश्चादनेक कालं निजराज्यमकुर्वन्।

(घ) राजहंस की राजधानी पुष्पपुरी का वर्णन कीजिए। 5+5=10

भाग-ङ

6. दशकुमारचरित की पूर्वपीठिका के आधार पर तत्कालीन सामाजिक दशा का चित्रण कीजिए।

अथवा

राजवाहन का चरित्र विस्तार से लिखिए। 10